दिनांक: 8 अप्रैल, 2020

सीएसआईआर परिवार के मेरे प्रिय सदस्यों,

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस समय हम अप्रत्याशित स्थिति से गुजर रहे हैं, जो कि मानव जाति के इतिहास में आज तक नहीं देखी गई है। आपको इस स्थिति की भयावहता के परिमाण के बारे अलग-अलग स्रोतों से पता लगा होगा। ऐसी स्थिति एक लंबे अर्से से देखने में नहीं आई। यहां इस बात पर ध्यान देना होगा कि यह रोग जिसे अब COVID-19 कहा जाता है, सीवीयर एक्यूट रिस्पयरेटरी सिंड्रोम कोरोनावायरस-2 (SARS-CoV-2), नामक वायरस से होता है यह रोग कोई वर्ग, रंग, धर्म अथवा राष्ट्रीयता नहीं देखता और सभी पर समान उग्रता से आक्रमण करता है। अत: हम सभी के लिए यह ऐसा समय है कि हम आपस मिल बैठकर आत्ममंथन करें और सामूहिक रूप से संकल्प लें कि हम इस वायरस को हराकर इस युद्ध को कैसे जीतें।

जाहिर है कि हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन, अर्थव्यवस्थाओं, रोजगारों, लोगों की आजीविका और मानव जीवन पर अत्यधिक प्रभाव के संदर्भ में कई व्यवधान उत्पन्न होंगे, लेकिन अगर हम खुद को एकजुट करते हैं, तो हम इससे न्यूनतम क्षति सहित इस पर पार पाने का संकल्प कर सकते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि सीएसआईआर परिवार और सीएसआईआर परिवार के सदस्य सरकार के अनुदेशों का बहुत नजदीकी से पालन करते हैं। उदाहरण के लिए, जब सरकार ने सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की सलाह दी है, तो हम सभी को और हमारे परिवारों के सभी सदस्यों द्वारा इस सलाह का सख्ती से पालन से किया जाना चाहिए। हमें यह याद रखना होगा कि इस तरह की सलाह का उल्लंघन न केवल हमें और हमारे परिवार के सदस्यों को खतरे में डालता है, बल्कि कई गुणा अन्य व्यक्तियों को ट्रांसमिशन के जोखिम को बढ़ाता है। यह युद्ध कुछ डॉक्टरों,

सरकारों, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा नहीं जीता जा सकता है, बल्कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों द्वारा जीता जा सकता है। इसलिए मैं आप सभी से और आपके परिवारों से इस महामारी के दौरान सुरक्षित रहने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह करता हूं।

सीएसआईआर परिवार के सदस्य होने का गौरव प्राप्त होने के नाते, मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि सीएसआईआर COVID-19 के असर को कम करने में पूर्व सक्रिय भूमिका निभा रहा है। सीएसआईआर के सामूहिक नेतृत्व स्तर पर हमने पाँच व्यापक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है, नामश: (1) निगरानी जिसमें डिजिटल विधियां शामिल हैं, (2) तीव्र और सस्ते निदान, (3) नई चिकित्साओं का विकास, जिसमें नई दवाएं, ज्ञात दवाओं और टीकों का पुनरुत्थान शामिल है (4) हॉस्पिटल असिस्टिव डिवाइसिस और (5) इनमें से प्रत्येक में शामिल आपूर्ति श्रृंखला और साधन, जहां हम मानते हैं कि सीएसआईआर के वैज्ञानिक समुदाय की विशेषज्ञता का COVID 19 आपातकाल से निपटने के राष्ट्रीय प्रयासों में प्रभावी रूप से लाभ उठाया जा सकता है। इन सभी पांच क्षेत्रों पर युद्धस्तर पर काम शुरू हो गया है। इस कार्य में, न केवल विभिन्न पैन-सीएसआईआर टीमों का गठन किया गया है, बल्कि हमारे प्रमुख एनएमआईटीएलआई कार्यक्रम के माध्यम से, हम चाहते हैं कि नवोन्मेषी समाधान खोजने के लिए शैक्षिक संस्थान और उद्योग भी हम से जुड़े। आने वाले समय में, हमें यह सुनिश्चित करना है कि हम इन क्षेत्रों में सीएसआईआर के श्रेष्ठतम वैज्ञानिकों से श्रेष्ठतम कार्य लें और समाज को समाधान प्रदान करें जिसके लिए हम भविष्य में जाने जाएंगे। यदि हमारे इतिहास के किसी क्षण हमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या के अभिनव समाधान खोजने के लिए हमें स्वयं को चुनौती देने की जरूरत थी, तो मेरा मानना है कि यही वह क्षण है। स्वामी विवेकानंद के कथन को पुन: दोहराते हुए, मैं सीएसआईआर के संपूर्ण वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह करता हूं कि उठो, जागो और जब तक हम इन पांच क्षेत्रों में वास्तव में अभिनव समाधान नहीं खोज लेते तब

तक रुके नहीं और अविरत काम करते रहें। यदि आप में से कोई भी इन सामूहिक प्रयासों में शामिल होना चाहता है, तो उपयुक्त पाए जाने पर अन्य विचारों को सम्मिलित किया जा सकता है और इन पर कार्य आरंभ किया जा सकता है। मैं आपको इन पहलों की प्रगति पर ताजा जानकारी देता रहूंगा। मैं जल्द ही समस्त सीएसआईआर परिवार को वेब पर संबोधित करूंगा, और मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप सब मेरे इस संबोधन में शामिल हों।

मैं एक बार फिर से सभी को याद दिलाना चाहूंगा कि युद्ध साहसी सैनिकों, बहादुर व्यक्तियों, सेनाओं और हथियारों से लड़े जाते हैं। वर्तमान युद्ध स्वास्थ्य सुरक्षा सेवा प्रदाताओं, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्योगपतियों, राजनीतिज्ञों, प्रशासकों द्वारा एक साथ, सभी पंथों के बूढ़े और जवान, एक ही लक्ष्य से एकजुट होकर लड़ा जा रहा है। मैं सीएसआईआर परिवार का सदस्य होने के नाते आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप इस युद्ध का हिस्सा बने और हमारे वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय सामर्थ्य के माध्यम से हम राष्ट्र की न्यायोचित आकांक्षाओं पर खरे उतर सकें। हमने पहले भी ऐसा किया है, मुझे विश्वास है कि हम इसे पुन: ऐसा कर सकते हैं। अंत में यही कहूंगा COVID 19 से सुरक्षित रहें, स्वयं को संरक्षित रखें।

(शेखर चि. मांडे)

April 8, 2020

My dearest CSIR family members,

You are all aware that we are passing through an unprecedented situation at this time, seen rarely in the history of the mankind. You would have learnt from many different sources that the magnitude of the situation has not been encountered by humanity in a long… long… time. It is pertinent to note that the disease, now called as COVID-19, caused by the virus- Severe Acute Respiratory Syndrome Coronavirus-2 (SARS-CoV-2), transcends all categorizations of classes, colours, religions or Nationality of individuals and attacks all with equal ferocity. Therefore, it is time for all of us to sit back, introspect and resolve collectively how we are going to win this war by defeating the virus.

It is understood that there will be disruptions in terms of our day-to-day lives, economies, jobs, livelihoods of people, and also a significant toll on human life, but if we unite ourselves, we can resolve to get out of it with minimum damage. It is utmost important that CSIR family and extended family follows the Government instructions very closely. For example, when the Government has advised for social distancing, the advice must be followed strictly by all of us and by all our family members. We have to remember that any deviation from such advices not only puts us and our family members at risk, but also increases the risk of transmission to other individuals many fold. This war cannot be won by few doctors, Governments, policy makers, health care individuals, but rather by collective actions of all of us. I therefore urge you all and your families to take all necessary precautions to stay safe during the pandemic.

As a proud CSIR family member, I would like to bring to your attention the proactive role CSIR is playing in Covid-19 mitigation. We at the collective leadership level of CSIR have decided to focus on five broad areas, namely, (1) surveillance including digital methods, (2) rapid and cheap diagnosis, (3) development of new therapies, including new drugs, repurposing of known drugs and vaccines, (4) hospital assistive devices and (5) supply chain and logistics involved in each of these, where we believe the expertise of CSIR Scientific Community can be effectively leveraged to compliment the National efforts on tackling COVID 19 emergency. Work has begun on war footing on all these five areas. In this work, not only different pan-CSIR teams have been formed, but also through our flagship NMITLI programme, we are seeking academia and industry to join us to find innovative solutions. In the coming time, we have to ensure that we bring the best out of CSIR minds in these areas and provide solutions to the society for which we will be known in the future. If there was ever any moment in our history that we needed to challenge ourselves to find innovative solutions to the most important problem, I believe this is that

moment. To paraphrase Swami Vivekananda- I urge the entire scientific community of CSIR to rise, awake and stop not until we have discovered truly innovative solutions in these five areas. If any of you would like to join the collective efforts, there is space to accommodate other ideas and initiate work on those, if found suitable. I will keep you updated on progress of these initiatives. I will soon be addressing all the CSIR family on web, and I request all of you to join me in the address.

I would once again like to remind everyone that wars are fought with valorous soldiers, brave men, armies and with weapons. The current war is being fought by healthcare providers, scientists, technologists, industrialists, politicians, administrators all together, by men and women, old and young, of all creeds, united by a single goal. I urge you all in the CSIR Family to be a part of this war and fulfill justifiable expectations of us by the Nation through our scientific and technological prowess. We have done it in the past, I am sure we can do it again. Stay safe, stay protected from COVID 19.

[SHEKHAR C. MANDE]